



आज का तापमान

शिमला 11.8 व्ह्य 21.4 अधि

धर्मशाला 14.6 व्ह्य 27.1 अधि

बाजार

सोनेकर 81973.05

निपटी 25127.95

सोना 77,670 | चांदी 93,514

आरएनआई नं. HPHIN01099

अनंत ज्ञान



पृष्ठ 13 पर

कांगड़ा | मंगलवार, 15 अक्टूबर 2024 | 30 अस्थिर, विक्रमी संवत् 2081 | ग्रंथ 1, अंक 299, कुल पृष्ठ 14 | गूग्ल : 5 लप्पे follow us on: [f](#) [i](#) [g](#) 8894521702

न्यूज शॉट्स

कोरोना वैक्सीन के द्वाया भाव आरोप वाली याचिका खारिज नहीं दिल्ली।

सुधीम कोर्ट ने सोमवार को कोरोना वैक्सीन के कारण ब्लड क्लोइंग

साइड इफेक्ट का आपेक्षित लगाने वाली याचिका खारिज कर दी। यीकूं जिटिस डीवाई चंद्रचूड़ी की पीठ ने पैदा करने के लिए दायर की गई थी।

यह भी सोनों के लिए आगे वैक्सीन देनी तो तो या साथ दायर इफेक्ट होते हैं।

मृत मुहूर्त के उठान वर्षीय चाहते, यह सिर्फ

सनसनी पैदा करने के लिए है।

उद्धव ग्राकर की हुई

एंजियोलास्टी सर्जरी

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालाशाह वाकर) प्रभुगुरु उद्धव वाकर की सोमवार

को दिल्ली अस्पताल में हार्ट

में ब्लॉकेज की समस्या के चरते

एंजियोलास्टी सर्जरी की गई।

उद्धव टाकरे ने

दिल में दब्दी की खिलायत की थी, जिसके

बाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

दिल्ली में 1 जनवरी तक

पटाखों पर लगाया बैन

अनंत ज्ञान व्यूगे, शिमला

मुख्यमंत्री सुखिंद्र सिंह सुख्खु ने

पालमपुर में मुख्य राज्य आपदा

प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ)

प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने की

विधानी की है। मुख्यमंत्री ने सोमवार

को अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूट्रीकरण

दिवस 'समर्थ-2024' की अध्यक्षता

करते हुए कहा कि आपदा के

प्रभावी प्रबंधन में जागरूकता

महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है,

जिससे जन-माल की क्षति को कम

किया जा सकता है। उन्होंने कहा

कि प्रदेश बाल बादल फटने की

घटनाओं पर योध करवायी।

जलवायु प्रवर्तन के कारण

आपदा की घटनाओं में वृद्धि है,

इसलिए आपदाओं का बोर्ड प्रबंधन

सुनिश्चित कर हैं इन चुनौतियों के

साथ जीना सीखना होगा। राज्य

सरकार परियोग धनराशि व्यवहार

कर लोगों को आपदा से निपत्ति की

तैयारियों के बारे में जागरूकता

रही है और उन्हें 'जेड श्रेणी' की

सुरक्षा

प्रदान की जाएगी।

प्राचीन केंद्रीय प्रसारण को

राज्यपाल ने आपदा

परिवर्तन के लिए उत्तराधिकारी

को सहयोग किया।

परियोजना का क्रियान्वयन किया

जारी है और यह उत्तराधिकारी

को सहयोग किया।

जीना सीखना होगा।

...जब यमराज को सावित्री के पति सत्यवान के लौटाने पड़े प्राण

❖ ब्रह्मा जी के कहने पर असुरों को हराने के लिए पहली बार देवताओं की परिजयों ने किया था करवा चौथ का व्रत

❖ अपने सुहाग की दीर्घियु के लिए विवाहित महिलाएं सूर्योदय से चंद्रोदय तक विराहार रहकर करती हैं उपवास

करवा चौथ हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है, जिसे विवाहित हिंदू महिलाएं हर साल मनाती हैं। यह त्योहार भारत के जम्मू हिमाचल-प्रदेश, पंजाब, उत्तर-प्रदेश और राजस्थान में मनाया जाता है। करवा चौथ कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाने वाला पर्व है। इस दिन विवाहित महिलाएं सूर्योदय से चंद्रोदय तक विराहार रहकर उपवास करती हैं और अपने सुहाग की लिए प्रार्थना करती हैं। इस दिन सुहागिनों सुहाग की विवाहितों जैसे चूड़ी, बिंदियाँ, सिंदूर, मेहंदी इत्यादि का आपस में आदान-प्रदान भी करती हैं।

वैसे तो करवा चौथ के द्वारा की शुरुआत के कहीं भी सही प्रमाण नहीं मिलते, लेकिन शास्त्रों, पुराणों, महाभारत में भी करवा चौथ के महाभाव पर कई कथाओं का वर्णन है। कहा जाता है कि एक बार देवताओं और असुरों में युद्ध छिड़ गया।

अकारण न खाएं दूसरे का अन्न



जैसा खाएंगे अन्न वैसा ही होगा आचरण और स्वभाव

शास्त्र कहते हैं हम जैसा अन्न खाते हैं वैसा ही हमारा आचरण और स्वभाव आदि हो जाता है। अकारण क्रोध आना, सही गलत का मूल्यांकन निष्पक्षता से न करना आदि, हमारे खाएं हुए अन्न का ही प्रभाव है। अन्न यदि सात्त्विक होगा तो विचार भी सात्त्विक ही होंगे। और सात्त्विक विचार सदा ही प्रगति का श्रेष्ठ पथ है...

अन्न के विषय में पुराणों में कई व्याख्यान मिलते हैं जो हमें अन्न कब, कहां, किसके यहां, क्यों और कैसे खाना है, का दिव्य वर्णन देते हैं। भगवान् श्रीकृष्ण की भी अर्जुन की गीता उपर्युक्त हुए हुए अन्न का संपूर्ण प्रार्थना अन्न से उत्पन्न होते हैं, अन्न की उत्पत्ति रुद्धि से होती है, खटि यहां से उत्पन्न होता है।

चंद्रग्रहण और सूर्यग्रहण के अवसर पर दूसरे का अन्न खाएं तो बार वर्षों से एकर किया हुआ सब पुण्य नहीं होता है। संकाति के दिन दूसरे का अन्न खाने से महीने भी से अधिक समय का पुण्य चला जाता है।

प्रते च तीर्थं आययेष्व श्राद्धाणि च
पिण्डितः परावनं भोजनादेवि वस्त्राणं
तत्य तत्कलम् । निर्णयितु

परवेशमि वासदण्डं शकादपि
क्षिरं दृष्टं -ग्रन्थपुराण

दूसरे का अन्न, दूसरे का वट्र, दूसरे का धान, दूसरे की शाक, दूसरे की गांड़ी, दूसरे के धान व वास-ये इन्द्र के भी ऐस्यर्थ को नष्ट कर देते हैं। अतः अपेक्षा व परिवार के लिए स्वर्वय ही अन्न पकाना चाहिए और उससे ही प्रभु भोग, अतिथि भोग, गङ्गा गास, कौं गास और व्यावान के लिए भी निकाल लेना चाहिए। ये गृहस्त के दीनेक व्रत हैं इनका पालन करना चाहिए ताकि वास सभा पापों से मुक्त होकर अंत में मोक्ष का पाता हो। शास्त्रों में गृहस्त को पाप ही दीनेक कर्म बताए हैं जिनमें से ये दो मुख्य हैं।

-अनिल शर्मा, नौबाही मंडी

तु वेद से उत्पन्न और वेद को अविनाशी परमात्मा से उत्पन्न हुआ जाना। इससे रिद्ध होता है कि सर्वव्यापी परम अक्षर परमात्मा सदा ही यहां में प्रतिष्ठित है।

जो मनुष्य अमावस्या को दूसरे का अन्न खाता है, उसका महीने भर का विषय हुआ पुण्य अन्नवाता को मिल जाता है। अन्नवाता के दिन दूसरे का अन्न खाएं तो छह महीने का और विवाहकाल (जब सूर्य अष्टव्यापी तुला राशि पर आए) में दूसरे का अन्न खाने से तीव्र महीनों का पुण्य चला जाता है।

व्रत, तीर्थ, आययन तथा शाद्म में दूसरे का अन्न नहीं खाना चाहिए, क्योंकि जिसका अन्न खाएगा उसी को फल मिलेगा। उदित विषयांक के दिन दूसरे के पकाए अन्न में रुद्धि नहीं रखनी चाहिए। किसी के दिन का अन्न या तो प्रेम के कारण खाना चाहिए या आपि में पड़ने पर खाना चाहिए।

संप्रदायितभित्यावानि
आपद्वायाचानि वा पुणः।
न च सद्व्रीयसे राजन् न
चैवपद्वायाम् । महाभारत



(गमनार्पणिक्स चंद्र दक्षायणीपते
गृहाणार्द्धं मया दत्त गणेशप्रतिरूपक)
अर्थात् : चंद्रमा को अर्द्ध देते हुए सभी सुहागिनों को इस श्लोक का उच्चारण करना चाहिए।

कहने को तो करवा चौथ एक उपवास है, लेकिन आस्था, निषा और श्रद्धा के प्रतीक इस उपवास को महिलाएं बहुत ही शोक और यकीन से मनाती हैं। उत्तर भारत के अधिकतर अनुष्ठान तिराया विराहार रहकर चंद्रोदय की प्रतीक्षा करती है। महिलाएं चंद्रोदय से पहले शुभार करके समाज में करवा चौथ के उपवास को अधिकतर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। अधिकतर तिराया विराहार रहकर चंद्रोदय की व्रती वर्षा किया जाता है। अवधि

प्रति वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्यात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन शिरयां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समावेश सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। उद्यापन करने के पश्यात कुछ शिरयां दिन के समय में जल या कोई पेय पार्दाय गण भी

करवा चौथ के समय रखनी हैं। प्रति वर्ष दीर्घियु एवं अर्कवंद सौभाग्यदायक के अन्दर करवा चौथ के उपवास को अधिकतर महिलाएं दर्शन करती हैं। उद्यापन करने के पश्यात कुछ शिरयां दिन के समय में जल या कोई पेय पार्दाय गण भी

चंद्र को अर्द्ध तोड़ा जाता है व्रत करवा चौथ की एक और खासियत है। इस दिन दूसरे को तोड़ने से पहले महिलाएं चंद्र को अर्द्ध देने से पहले खड़े बाजारी संबंधी हैं। हाँओं और पैरों को विशेष प्रकार के महिलों के डिजाइनों से लगाया जाता है और एक नई बोली दुल्हन की तरह बृंगार किया जाता है। सोलह बृंगारों में प्रथम बृंगार ज्ञान है। इसके अंतिम बृंगार बृंगार से लगाया जाता है। बृंगार के अंदर अंगठी इन सोलह बृंगारों में शामिल है। यद्यपि आज के आधुनिक दौर में इन सोलह बृंगारों को शामिल करना हर महिला के लिए सभी व्रत की बनाए रखने के लिए एक महान शूल है। लेकिन शूल करने की बात की प्रतीक्षा करना बहुत चाहिए।

रिश्तों को मजबूत बनाना पर्व

यह पर्व रिश्तों को मजबूत बनाने वाला होता है जिस कारण यह पर्व पत्नी-पति दोनों के लिए खास महत्वादेशी के अन्दर एक दूसरा नहीं है। उद्यापन करने के पश्यात कुछ शिरयां दिन के समय में जल या कोई पेय पार्दाय गण भी

कर लेती हैं जो आज की जीवन शैली में आवश्यक भी है, व्यायोंके मुद्रों होता है। अल्प किसी रोग से ग्रस्त महिलाएं निर्जीकरण की शिकायत भी हो सकती हैं।

करवा चौथ के समय रखनी है। प्रति वर्ष दीर्घियु एवं अर्कवंद सौभाग्यदायक के अन्दर करवा चौथ के उपवास को अधिकतर महिलाएं दर्शन करती हैं। उद्यापन करने के पश्यात कुछ शिरयां दिन के समय में जल या कोई पेय पार्दाय गण भी

करवा चौथ के समय रखनी है। प्रति वर्ष दीर्घियु एवं अर्कवंद सौभाग्यदायक के अन्दर करवा चौथ के उपवास को अधिकतर महिलाएं दर्शन करती हैं। उद्यापन करने के पश्यात कुछ शिरयां दिन के समय में जल या कोई पेय पार्दाय गण भी

करवा चौथ के समय रखनी है। प्रति वर्ष दीर्घियु एवं अर्कवंद सौभाग्यदायक के अन्दर करवा चौथ के उपवास को अधिकतर महिलाएं दर्शन करती हैं। उद्यापन करने के पश्यात कुछ शिरयां दिन के समय में जल या कोई पेय पार्दाय गण भी

करवा चौथ के समय रखनी है। प्रति वर्ष दीर्घियु एवं अर्कवंद सौभाग्यदायक के अन्दर करवा चौथ के उपवास को अधिकतर महिलाएं दर्शन करती हैं। उद्यापन करने के पश्यात कुछ शिरयां दिन के समय में जल या कोई पेय पार्दाय गण भी

करवा चौथ के समय रखनी है। प्रति वर्ष दीर्घियु एवं अर्कवंद सौभाग्यदायक के अन्दर करवा चौथ के उपवास को अधिकतर महिलाएं दर्शन करती हैं। उद्यापन करने के पश्यात कुछ शिरयां दिन के समय में जल या कोई पेय पार्दाय गण भी

करवा चौथ के समय रखनी है। प्रति वर्ष दीर्घियु एवं अर्कवंद सौभाग्यदायक के अन्दर करवा चौथ के उपवास को अधिकतर महिलाएं दर्शन करती हैं। उद्यापन करने के पश्यात कुछ शिरयां दिन के समय में जल या कोई पेय पार्दाय गण भी

करवा चौथ के समय रखनी है। प्रति वर्ष दीर्घियु एवं अर्कवंद सौभाग्यदायक के अन्दर करवा चौथ के उपवास को अधिकतर महिलाएं दर्शन करती हैं। उद्यापन करने के पश्यात कु

सेवा-कार्यों की उम्मीद सरकार से नहीं की जा सकता। उसके लिए समाज-सेवी संस्थाओं को ही आगे उगाना पड़ेगा। -अटल बिहारी वाजपेयी

संपादकीय

भाग्यरेखाएं सड़कें

प्र

देश की सुकृत सरकार सड़कों की गुणवत्ता को लेकर बेहद गंभीर भाँग है। इसी एम सूकृत ने सड़क निर्माण में देरों के अधिकारियों को जिम्मदार ठहराने की व्यक्ति तथा मेटेन करने के लिए अधिकारियों को अधिकारी तथा उनका जीवन तथा मेटेन करने में कोताही बरता रहा, तो उसकी जीवनहीनता तय होगी। निरिचत रूप से सरकार की यह सख्ती भविष्य में कई रांग लाएगी बरता, सरकार इसकी प्रौपर मानविरोधी भी करे। अक्सर देखा जाता है कि योजनाएं तो बहुत बताती हैं, लेकिन उन्हें अमलीजाम पहनाने में कहीं न कहीं कमी रह जाती है। देवभूमि हिमाचल एक पहाड़ी भौगोलिक परिस्थितियों वाला राज्य है और यहां बसाते को यौसी खास जरूरी से लेकर सिंतंक तक लगातार बहुत तेज बारियां होती हैं, जिससे सड़कों और परिसरों पर जगह-जगह भूखलन होता है। कई बार तो सड़कों का नामोनिकान तक पिट जाता है। ऐसे में उन्हें नए सिरे से तैयार करने में बक लाता है। ऐसा भी नहीं है कि सरकार सड़कों के खराखाल पर ध्यान नहीं देती, लेकिन जब तक सरकार दूरी हुई सड़कों को दोबारा चलने की हालत में तैयार करती है तब तक फिर से बरसत आ जाती है और यह सिलसिला धूं ही चला रहता है।

इस चक्रवर्त से मुक्ति पाने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। वैसे हिमाचल की सड़कें दुर्से पड़ोसी राज्यों के सुकृतों को काफी हृद तक सही हैं। बस जरूरत है उनकी गुणवत्ता को सुधारने की। सड़कें विकास की धारा रखायी होती हैं। जिससे सड़क निर्माण की व्यवस्था संभव नहीं हो सकते। किसी भी देश या प्रदेश के विकास के लिए सड़कों का योगदान बेहद अच्छ है। हिमाचल ने सड़कों के जरिए लोगों के जीवन को बदलने का काम किया है। चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बाद अब तक प्रदेश के सड़क नेटवर्क में 41,202 किलोमीटर तक का विस्तार हुआ है, जिसमें 34,917 किलोमीटर पक्की सड़कें हैं। संतोषजनक बात यह है कि इन सड़कों के माध्यम से पहाड़ में किटिंग जीवन जीवाल लोगों की जीवन सुविधा और सुरक्षा में उत्सुक होती है। लोगों की निर्माण करने वाले गांवों में से 15,778 को सड़क सुविधा जोड़ा जा चुका है। अब 2,104 गांव सड़क सुविधा से जोड़े जाने शेष हैं। जिस रफतार से लोक निर्माण विभाग काम कर रहा है उसे यह लक्ष्य हासिल करने में देर नहीं लगेगा। प्रदेश में 12,500 करोड़ के निवेश से फोरलेन राजमार्ग और 68 सुरोंगों का निर्माण किया जा रहा है।

सुकृत सरकार ने सड़कों का आधारभूत ढाँचे के लिए इस वित्त वर्ष में 2,240,27 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है, जो यह दर्शाता है कि सरकार की सड़कों के निर्माण के प्रति नीतिय साफ है। प्रदेश सरकार राज्य में सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों में विवाली को सबसे ज्यादा प्राप्तिमिका दे रही है। टेक्नोरोजी के कार्यों की नियरनी होती रहती है और गुणवत्ता विकास करने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाती है। यदि सड़कों की होती होंगी, क्योंकि इसके परिस्थित रूप से उड़ानों और व्यवसायों को बढ़ावा मिलता है। अच्छी सड़कें यात्रियों की सुखाई सुनिश्चित करती हैं। दुर्घटनाओं का अदेश कम हो जाता है। लोगों अकाल मृत्यु से बच जाते हैं। अच्छी सड़कें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं, जिससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलता है। पर्यटन विकासी भी राज्य के लिए अहम होता है, क्योंकि इसके जरिए राज्य की अधिकारी को बढ़ावा देने का बड़ा विकास होता है। यही कारण है कि हिमाचल के विकास के लिए सड़कों के बाद अब तक प्रदेश के सड़क नेटवर्क में 41,202 किलोमीटर तक का विस्तार हुआ है, जिसमें 34,917 किलोमीटर पक्की सड़कें हैं। संतोषजनक बात यह है कि इन सड़कों के माध्यम से पहाड़ में किटिंग जीवन जीवाल लोगों की जीवन सुविधा और सुरक्षा में उत्सुक होती है। लोगों की निर्माण करने वाले गांवों में खास जरूरी से लोक निर्माण विभाग काम कर रहा है उसे यह लक्ष्य हासिल करने में देर नहीं लगेगा। प्रदेश में 12,500 करोड़ के निवेश से फोरलेन राजमार्ग और 68 सुरोंगों का निर्माण किया जा रहा है।

सुकृत सरकार ने सड़कों का आधारभूत ढाँचे के लिए इस वित्त वर्ष में 2,240,27 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है, जो यह दर्शाता है कि सरकार की सड़कों के निर्माण के प्रति नीतिय साफ है। प्रदेश सरकार राज्य में सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों में विवाली को सबसे ज्यादा प्राप्तिमिका दे रही है। टेक्नोरोजी के कार्यों की नियरनी होती रहती है और गुणवत्ता विकास करने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाती है। यदि सड़कों की होती होंगी, क्योंकि इसके परिस्थित रूप से उड़ानों और व्यवसायों को बढ़ावा देने का बड़ा विकास होता है। अच्छी सड़कें यात्रियों की सुखाई सुनिश्चित करती हैं। हुर्टर्टनाओं का अदेश कम हो जाता है। लोगों अकाल मृत्यु से बच जाते हैं। अच्छी सड़कें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं, जिससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलता है। पर्यटन विकासी भी राज्य के लिए अहम होता है, क्योंकि इसके जरिए राज्य की अधिकारी को बढ़ावा देने का बड़ा विकास होता है। यही कारण है कि हिमाचल के विकास के लिए सड़कों के बाद अब तक प्रदेश के सड़क नेटवर्क में 41,202 किलोमीटर तक का विस्तार हुआ है, जिसमें 34,917 किलोमीटर पक्की सड़कें हैं। संतोषजनक बात यह है कि इन सड़कों के माध्यम से पहाड़ में किटिंग जीवन जीवाल लोगों की जीवन सुविधा और सुरक्षा में उत्सुक होती है। लोगों की निर्माण करने वाले गांवों में खास जरूरी से लोक निर्माण विभाग काम कर रहा है उसे यह लक्ष्य हासिल करने में देर नहीं लगेगा। प्रदेश में 12,500 करोड़ के निवेश से फोरलेन राजमार्ग और 68 सुरोंगों का निर्माण किया जा रहा है।

सुकृत सरकार ने सड़कों का आधारभूत ढाँचे के लिए इस वित्त वर्ष में 2,240,27 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है, जो यह दर्शाता है कि सरकार की सड़कों के निर्माण के प्रति नीतिय साफ है। प्रदेश सरकार राज्य में सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों में विवाली को सबसे ज्यादा प्राप्तिमिका दे रही है। टेक्नोरोजी के कार्यों की नियरनी होती रहती है और गुणवत्ता विकास करने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाती है। यदि सड़कों की होती होंगी, क्योंकि इसके परिस्थित रूप से उड़ानों और व्यवसायों को बढ़ावा देने का बड़ा विकास होता है। अच्छी सड़कें यात्रियों की सुखाई सुनिश्चित करती हैं। हुर्टर्टनाओं का अदेश कम हो जाता है। लोगों अकाल मृत्यु से बच जाते हैं। अच्छी सड़कें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं, जिससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलता है। पर्यटन विकासी भी राज्य के लिए अहम होता है, क्योंकि इसके जरिए राज्य की अधिकारी को बढ़ावा देने का बड़ा विकास होता है। यही कारण है कि हिमाचल के विकास के लिए सड़कों के बाद अब तक प्रदेश के सड़क नेटवर्क में 41,202 किलोमीटर तक का विस्तार हुआ है, जिसमें 34,917 किलोमीटर पक्की सड़कें हैं। संतोषजनक बात यह है कि इन सड़कों के माध्यम से पहाड़ में किटिंग जीवन जीवाल लोगों की जीवन सुविधा और सुरक्षा में उत्सुक होती है। लोगों की निर्माण करने वाले गांवों में खास जरूरी से लोक निर्माण विभाग काम कर रहा है उसे यह लक्ष्य हासिल करने में देर नहीं लगेगा। प्रदेश में 12,500 करोड़ के निवेश से फोरलेन राजमार्ग और 68 सुरोंगों का निर्माण किया जा रहा है।

सुकृत सरकार ने सड़कों का आधारभूत ढाँचे के लिए इस वित्त वर्ष में 2,240,27 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है, जो यह दर्शाता है कि सरकार की सड़कों के निर्माण के प्रति नीतिय साफ है। प्रदेश सरकार राज्य में सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों में विवाली को सबसे ज्यादा प्राप्तिमिका दे रही है। टेक्नोरोजी के कार्यों की नियरनी होती रहती है और गुणवत्ता विकास करने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाती है। यदि सड़कों की होती होंगी, क्योंकि इसके परिस्थित रूप से उड़ानों और व्यवसायों को बढ़ावा देने का बड़ा विकास होता है। अच्छी सड़कें यात्रियों की सुखाई सुनिश्चित करती हैं। हुर्टर्टनाओं का अदेश कम हो जाता है। लोगों अकाल मृत्यु से बच जाते हैं। अच्छी सड़कें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं, जिससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलता है। पर्यटन विकासी भी राज्य के लिए अहम होता है, क्योंकि इसके जरिए राज्य की अधिकारी को बढ़ावा देने का बड़ा विकास होता है। यही कारण है कि हिमाचल के विकास के लिए सड़कों के बाद अब तक प्रदेश के सड़क नेटवर्क में 41,202 किलोमीटर तक का विस्तार हुआ है, जिसमें 34,917 किलोमीटर पक्की सड़कें हैं। संतोषजनक बात यह है कि इन सड़कों के माध्यम से पहाड़ में किटिंग जीवन जीवाल लोगों की जीवन सुविधा और सुरक्षा में उत्सुक होती है। लोगों की निर्माण करने वाले गांवों में खास जरूरी से लोक निर्माण विभाग काम कर रहा है उसे यह लक्ष्य हासिल करने में देर नहीं लगेगा। प्रदेश में 12,500 करोड़ के निवेश से फोरलेन राजमार्ग और 68 सुरोंगों का निर्माण किया जा रहा है।

सुकृत सरकार ने सड़कों का आधारभूत ढाँचे के लिए इस वित्त वर्ष में 2,240,27 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है, जो यह दर्शाता है कि सरकार की सड़कों के निर्माण के प्रति नीतिय साफ है। प्रदेश सरकार राज्य में सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों में विवाली को सबसे ज्यादा प्राप्तिमिका दे रही है। टेक्नोरोजी के कार्यों की

न्यूज ब्रीफ

कबीर धर्मशाला में दुर्गा पूजा महोत्सव



अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। बहलात की कबीर धर्मशाला में दुर्गा पूजा महोत्सव कर्मदी की तरफ से दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। कर्मदी के अभित कुमार मिश्र और सेवकटीर्णी केवलरात्रि साह ने बताया कि महोत्सव के लिए बाल के लिए मंगलाचार गए थे। बाल की एक टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रत्युत किया। दुर्गा पूजा महोत्सव कर्मदी के बाइस प्रेसिडेंट बिनय कुमार, सुरेजित विश्वास और विकास ने बताया कि वह हर साल दुर्गा पूजा मनाता है।

बेटे ने वृद्ध मां को मौत के घाट उतार

अशोक लालू, जम्मू भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से रेते गांव रुदुवा से एक कल्याणी बेटे ने तेजधार हथियार (दराट) से वृद्ध मां की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर दिया है। उसके खिलाफ हीराराघ थाना में मालाल दर्ज कर करवाई दुरु कर दी गई है। पुलिस से बिलों जाकरती के अनुराग दिल्कुर तुरु बिश्व दास निवासी रुदु आपकी मां कर्मदी देवी (80) के साथ हत्या था। रियाप की सुबह किसी बाल को लेकर उसने अपनी मां से डागड़ा दुरु कर दिया और लौट याहां तक आ गई की उसे अपनी मां पर तेजधार हथियार से जालवा द्वारा कर दिया। पुलिस ने बताया वृद्ध महिला को उपजिना अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे जीमसी कुमार रेफर कर दिया गया, जहां जख्मों का ताव बहुत छाँटा है। कर्मदी ने बताया कि वह भी जल्द कर दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

सीएम धामी से अमिनेता परेश रावत ने की मेंट

अनंत ज्ञान, देहरादून। मुख्यमंत्री पुरुष रिंग धामी से मुख्यमंत्री कैप कार्यालय में सुप्रियोग फिल्म अभियोग परेश रावत ने भेट की। उन्होंने उत्तराखण्ड के लेहरादून, मसूरी में उत्तर नारायण महादेवन निर्देशित बॉलीवुड फिल्म 'पार्ट टैंस' की शूटिंग की है। उन्होंने कहा कि वे पिछले 42 दिनों से उत्तराखण्ड में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। राज्य में फिल्मकरण के लिए बहुत अच्छा वातावरण है।

जनता के साथ ही सरकारी विभागों से फिल्मों की शूटिंग के लिए पूरा सहयोग मिला। शूटिंग के लिए राज्य में बहुत शांत वातावरण है। उत्तराखण्ड के लोग भी बहुत सकारात्मक विवादधारा के हैं। उन्होंने कहा कि वे उत्तराखण्ड में एक और फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पुरुष रिंग धामी को बताया कि उत्तराखण्ड में फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। उत्तराखण्ड के पर्यावरण क्षेत्रों में प्राकृतिक सौन्दर्यता से जुड़े अनेक स्थल हैं। राज्य का हड्डी ट्रेनिंग केंद्र फिल्मकरण के लिए उत्तराखण्ड है। अदि लैला, घरकरात, मारा जैसे अनेक स्थल उत्तराखण्ड में हैं।

नौसेना चिकित्सा सेवा की महानिदेशक बनी कविता नई दिल्ली। सर्जन वाहस एस डिफिरल कविता सहाय ने सोमवार को नौसेना में चिकित्सा सेवाओं के महानिदेशक (डीजीएसरी) का पद संभाला। प्रतिष्ठित अमर्त फोरेंजे मेंडिकल कॉलेज (एएफएमसी) पुरों की पहां सहाय इससे पहले सेना के चिकित्सा कारों में कर्नल कमांडेंट पद पर पहुंचने वाली पहली महिला अफसर रह चुकी हैं। कविता सहाय नौसेना में डीजीएसर का पद लेने से पहले वह एएफएमसी सेटर और कॉलेज में पहली महिला कमांडेंट के तौर पर सेवाएं दे चुकी हैं। वह 30 दिसंबर 1986 को सेना के चिकित्सा कारों में कमीशन हुई थी।

सिंधी भाषा का चैनल शुरू करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दूरदर्शन पर 24 घंटे सिंधी भाषा का चैनल शुरू करने का केंद्र को निर्देश देने संबंधी एक याचिका सोमवार को खारिज कर दी। प्रधान व्यायामी दी. वाई. चंद्रघङ्की की पीठ ने डिल्ली उच्च व्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली गैर-सरकारी एकांशी निर्देश कर रही है। उन्होंने एक याचिका देने के लिए अपनी भाषा का चैनल शुरू करने का निर्णय दिया है। जिसे उसने शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। गैर-सरकारी संगठन ने अपनी याचिका में कहा था कि प्रसार भारती का 24 घंटे सिंधी भाषा का चैनल शुरू करने का निर्णय स्पष्टतया भेदभाव पर आधारित है।

आजम को झटका, जमीन मामले में याचिका रद्द नई दिल्ली। समाजजीवी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आविष्ट जमीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि द्रक चल रहे अधियोग की ड्यूजिंस दें दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया।

असम में 4 करोड़ की हेटेन जब्त, 1 गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी के उपनगरीय डिल्लों में सोमवार को एक द्रक से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आविष्ट जमीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया था और उत्तर प्रदेश सरकार को भूमि अधियोग की ड्यूजिंस देने के लिए अविष्ट जमीन को रद्द कर दिया गया है। जामीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि द्रक चल रहे अधियोग की ड्यूजिंस देने के लिए अविष्ट जमीन को रद्द कर दिया गया है।

गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी के उपनगरीय डिल्लों में सोमवार को एक द्रक से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आविष्ट जमीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि द्रक चल रहे अधियोग की ड्यूजिंस देने के लिए अविष्ट जमीन को रद्द कर दिया गया है।

गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी के उपनगरीय डिल्लों में सोमवार को एक द्रक से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आविष्ट जमीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि द्रक चल रहे अधियोग की ड्यूजिंस देने के लिए अविष्ट जमीन को रद्द कर दिया गया है।

गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी के उपनगरीय डिल्लों में सोमवार को एक द्रक से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आविष्ट जमीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि द्रक चल रहे अधियोग की ड्यूजिंस देने के लिए अविष्ट जमीन को रद्द कर दिया गया है।

गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी के उपनगरीय डिल्लों में सोमवार को एक द्रक से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आविष्ट जमीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि द्रक चल रहे अधियोग की ड्यूजिंस देने के लिए अविष्ट जमीन को रद्द कर दिया गया है।

गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी के उपनगरीय डिल्लों में सोमवार को एक द्रक से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आविष्ट जमीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि द्रक चल रहे अधियोग की ड्यूजिंस देने के लिए अविष्ट जमीन को रद्द कर दिया गया है।

गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी के उपनगरीय डिल्लों में सोमवार को एक द्रक से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आविष्ट जमीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि द्रक चल रहे अधियोग की ड्यूजिंस देने के लिए अविष्ट जमीन को रद्द कर दिया गया है।

गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी के उपनगरीय डिल्लों में सोमवार को एक द्रक से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आविष्ट जमीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि द्रक चल रहे अधियोग की ड्यूजिंस देने के लिए अविष्ट जमीन को रद्द कर दिया गया है।

गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी के उपनगरीय डिल्लों में सोमवार को एक द्रक से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आविष्ट जमीन के पद्धतों के दाक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि द्रक चल रहे अधियोग की ड्यूजिंस देने के लिए अविष्ट जमीन को रद्द कर दिया गया है।

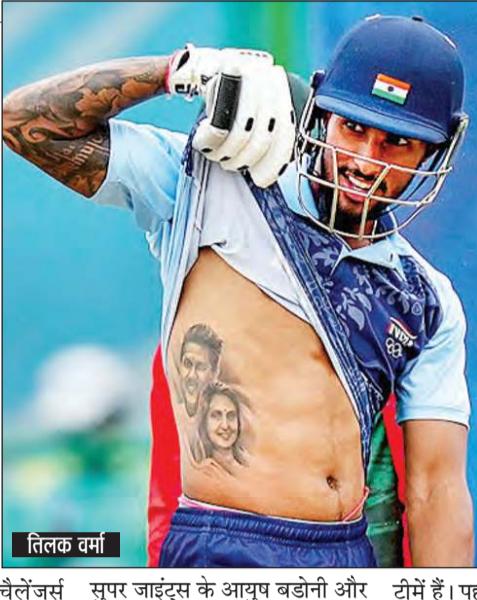
गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी के उपनगरीय डिल्लों में सोमवार को एक द्रक से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर दर्ट के हाईकोर्ट के

टी-20 इमर्जिंग टीम एशिया कप भारत-ए के कप्तान होंगे तिलक

एंजेसी, नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा 18 से 27 अक्टूबर तक ओमान में होने वाले टी-20 इमर्जिंग टीमों के एशिया कप में भारत-ए के कप्तान होंगे, जबकि अधिकारी शर्मा उपकप्तान होंगे। 21 वर्ष के तिलक वर्मा के पास चार टी-20 और 16 टी-20 मैचों का अनुभव है जबकि शर्मा आठ टी-20 मैच खेल चुके हैं। टीम में लेग स्पिनर राहुल चाहर भी हैं।

भारत-ए टीम में आईपीएल के बड़े सिरों हैं जिनमें पंजाब किंस के प्रधानमन सिंह, रांगत चैंपियन्स के अनुज रावत, लखनऊ कोलकाता नाइट राइडर्स के



तिलक वर्मा

मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा 18 से 27 अक्टूबर तक ओमान में होने वाले टी-20 इमर्जिंग टीमों के एशिया कप में भारत-ए के कप्तान होंगे, जबकि अधिकारी शर्मा उपकप्तान होंगे। 21 वर्ष के तिलक वर्मा के पास चार टी-20 और 16 टी-20 मैचों का अनुभव है जबकि शर्मा आठ टी-20 मैच खेल चुके हैं। टीम में लेग स्पिनर राहुल चाहर भी हैं।

भारत-ए टीम में आईपीएल के बड़े सिरों हैं जिनमें पंजाब किंस के प्रधानमन सिंह, रांगत चैंपियन्स के अनुज रावत, लखनऊ कोलकाता नाइट राइडर्स के

एंजेसी, मेलबोर्न ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को रीढ़ की हड्डी में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। यह 25 वर्षीय खिलाड़ी अपनी पीठ का आपरेशन करवाएगा, जिससे उत्तरने में उड़े छह महीने का समय लग जाएगा। पिछले महीने ब्रिटेन का दौरे में उड़े इसका पता चला।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, 'जेट गेंदबाजों की रीढ़ की हड्डी में स्ट्रेस फ्रैक्चर होना आम बात है, लेकिन कैमरन के फ्रैक्चर, के पास वाले भाग में कुछ दिक्कत है, जिसे चोट का कारण माना जा सकता है।' ग्रीन का छह महीने तक बाहर रहने का मतलब है कि वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की एंजेसी, नई दिल्ली

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ग्रीन बाहर

नहीं, फरवरी में श्रीलंका के दौरे और चैंपियन्स ट्रॉफी में भी नहीं खेल पाएंगे। उनका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलना भी संदिग्ध है।

जसप्रीत बुमराह, जेम्स पैटिसन, जेसन बहरेनडोर्फ और बेन इवारशुइस जैसे तेज गेंदबाज भी इस तरह का आपरेशन करवाएगा, जिनमें इनकी पृष्ठ का बेली ने कहा, 'पैट कमिस, इंड्रिय मैकडोनाल्ड और स्टीवन स्टीविन से लगातार बाहर हो रही है। स्टीविन ने पैट की जुबान के बजाय नेचे जाने की इच्छा जारी है। पैट और एंड्रिय ने पृष्ठ की कि वह इस सत्र में बल्लेबाजी क्रम में नीचे जारी।'

पाक के खिलाफ अगुवाई करेंगे कमिस

स्मिडनी। आईपीएल के नियमित कानून पैट कमिस सलामी बल्लेबाज डेविड वानर के इस साल के शुरू में सन्यास लेने के बाद ग्रीन की टेस्ट टीम में वापसी हुई थी। इस कारण स्टीविन स्मिथ को पारी की शुरूआत करनी पड़ी थी।

स्मिडनी आईपीएल के खिलाफ कानून पैट कमिस सलामी बल्लेबाज डेविड वानर के इस साल के शुरू में सन्यास लेने के बाद ग्रीन की टेस्ट टीम में वापसी हुई थी। इस कारण स्टीविन स्मिथ को पारी की शुरूआत करनी पड़ी थी।



कैमरन ग्रीन

डल्लास काउब्बॉयज ने सचिन तेंदुलकर को सम्मानित किया



एंजेसी, हूस्टन

तक क्रिकेट को पहुंचाने के लिए प्रयत्नसंत हैं। एनएफएल के सभसे मशहूर केंद्रों पर उनका सम्मानित होना क्रिकेट और अमेरिकी खेलों को करीब लाने की दिशा में अहम कदम है।

एनएफएल में शाहिद अफरीदी, सुरेश रेणा, शकिंब अल हसन और क्रिकेट लीग (एनएफएल) के जरिए योगदान दिया है। एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगदान दिया है।

एनएफएल के सह-मालिक तेंदुलकर ने एनएफएल के लिए योगद